DR. PAWAN KUMAR GOENKA

Dr. Pawan Kumar Goenka is an industry veteran whose career spans several decades across sectors ranging from automotive to space. Dr. Goenka began his professional journey in the automotive industry at General Motors in USA followed by a long and impactful tenure, culminating as MD & CEO, at Mahindra & Mahindra Ltd (M&M). Now, as the Chairperson of IN-SPACe, he brings his vision to India's space sector with an unwavering commitment to innovation and excellence, embodying the spirit of "Make in India" in this sunrise sector.

2. Born on 23rd September, 1954, in the small village of Harpalpur in Madhya Pradesh, Dr. Goenka completed his high school in Shri Jain Vidyalaya in Kolkata, earned his B. Tech, in Mechanical Engineering from NT Kanpur and Ph.D. from Cornell University, U.S.A. He is also a Graduate of the Advanced Management Program at Harvard Business School. He worked at General Motors R&D Centre in Detroit, U.S.A. from 1979 to 1993.

3. Dr. Goenka heeding the call of his heart, gave up a comfortable life and career in the US to return to his motherland in 1993. At M&M, Dr. Goenka transformed challenges into opportunities, developing an advanced automotive centre, modernising R&D infrastructure, and creating products that set industry benchmarks. Under his leadership, M&M introduced world-class vehicles that combined performance with affordability. He also helped groom the Automotive Supplier ecosystem in India, which today is counted as amongst the best in the world. He led the development of the Scorpio SUV, leading to him being called the "Scorpio Man". His commitment to quality and innovation positioned Mahindra as a respected global brand from India.

4. Dr. Goenka is charting a new course for India's space sector IN-SPACe with the creation of a more accessible and vibrant space ecosystem. He has been instrumental in shaping policies that encourage private sector participation, fostering collaboration between startups, entrepreneurs and established industries with government agencies such as ISRO. He has a clear vision for a self-reliant, research-driven space industry with technological advances opening new avenues for economic growth as India moves forward in its journey to become a global leader in space.

5. Dr. Goenka is a Fellow of SAE International and of The Indian National Academy of Engineers and a member of National Academy of Engineers, USA. He is currently serving as the Chairman of the Board of Governors of IIT Madras. He is the Chairperson of the Steering Committee for Advancing Local value-add and Exports (SCALE), an initiative under the Ministry of Commerce & Industry. He was President of SIAM, of the Society of Automotive Engineers India and the ARAI Governing Council.

6. Dr. Goenka has been recognised with numerous awards and honours. He is the first Indian to be awarded the prestigious FISITA Medal. Other awards include the Burt L. Newkirk Award, Charles L. McCuen Achievement Award, Lifetime achievement Award by The Automotive Component Manufacturers Association (ACMA) in March 2022 and by Auto Car India in 2021. He received the Distinguished Alumni Award from IIT Kanpur in 2004 and was also conferred with the Doctor of Science (honoris causa) in 2015, reflecting his leadership and visionary contributions to the automotive industry.

डॉ. पवन कुमार गोयनका

डॉ. पवन कुमार गोयनका उद्योग जगत के अनुभवी व्यक्ति हैं, जिनका ऑटोमोटिव से लेकर अंतरिक्ष तक के क्षेत्रों में कई दशकों का करियर रहा है। डॉ. गोयनका ने ऑटोमोटिव उद्योग में अपना पेशेवर सफ़र यूएसए में जनरल मोटर्स से शुरू किया, उसके बाद एक लंबा और प्रभावशाली कार्यकाल पूरा किया, जो महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) में एमडी और सीईओ के रूप में पूरा हुआ। अब, आईएन– एसपीएसीई के अध्यक्ष के रूप में, वह इस उभरते क्षेत्र में "मेक इन इंडिया" की भावना को मूर्त रूप देते हुए, नवाचार और उत्कृष्टता के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना दृष्टिकोण लेकर आए हैं।

2. 23 सितंबर 1954 को मध्य प्रदेश के हरपालपुर नामक छोटे से गांव में जन्मे, डॉ. गोयनका ने कोलकाता के श्री जैन विद्यालय से हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी की, एनटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. और यूएसए के कॉर्नेल विश्वविद्यालय से पीएचडी की। वह हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम में भी स्नातक हैं। उन्होंने वर्ष 1979 से 1993 तक अमेरिका के डेट्रायट में जनरल मोटर्स आरएंडडी सेंटर में काम किया।

3. डॉ. गोयनका ने अपने दिल की आवाज़ सुनी और वर्ष 1993 में अपनी मातृभूमि लौटने के लिए अमेरिका में आरामदायक जीवन और करियर छोड़ दिया। एमएंडएम में, डॉ. गोयनका ने चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया, एक उन्नत ऑटोमोटिव केंद्र विकसित किया, आरएंडडी अवसंरचना का आधुनिकीकरण किया और ऐसे उत्पाद बनाए जो उद्योग के मानक स्थापित करते हैं। उनके नेतृत्व में, एमएंडएम ने विश्वस्तरीय वाहन पेश किए जो प्रदर्शन के साथ किफ़ायती भी थे। उन्होंने भारत में ऑटोमोटिव सप्लायर इकोसिस्टम को संवारने में भी मदद की, जिसे आज दुनिया में सबसे बेहतरीन में से एक माना जाता है। उन्होंने स्कॉर्पियो एसयूवी के विकास का नेतृत्व किया, जिसके कारण उन्हें "स्कॉर्पियो मैन" कहा जाने लगा। गुणवत्ता और नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने महिंद्रा को भारत से एक सम्मानित वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित किया।

4. डॉ. गोयनका भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र आईएन– एसपीएसीई के लिए एक अधिक सुलभ और जीवंत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के साथ एक नया मार्ग तैयार कर रहे हैं। उन्होंने स्टार्टअप, उद्यमियों और स्थापित उद्योगों का इसरो जैसी सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग को बढ़ावा देते हुए निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके पास आत्मनिर्भर, शोध–संचालित अंतरिक्ष उद्योग के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है, जिसमें भारत जैसे–जैसे अंतरिक्ष में वैश्विक नेता बनने की अपनी यात्रा में आगे बढेगा प्रोद्योगिकीय प्रगति आर्थिक विकास के नए रास्ते खोलेगी।

5. डॉ. गोयनका एसएई इंटरनेशनल और इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स के अध्येता और नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियर्स, यूएसए के सदस्य हैं। वह वर्तमान में आईआईटी मद्रास के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उनका वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत एक पहल, स्थानीय मूल्य–वर्धन और निर्यात को आगे बढ़ाने के लिए संचालन समिति (स्केल) के अध्यक्ष हैं। वह एसआईएएम, सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स इंडिया और एआरएआई गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष थे।

6. डॉ. गोयनका को कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित किया गया है। वह प्रतिष्ठित एफआईएसआईटीए पदक से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय हैं। अन्य पुरस्कारों में बर्ट एल. न्यूकिर्क पुरस्कार, चार्ल्स एल. मैककुएन अचीवमेंट पुरस्कार, मार्च 2022 में ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एसीएमए) द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार और वर्ष 2021 में ऑटोकार इंडिया द्वारा दिया गया पुरस्कार शामिल हैं। उनको वर्ष 2004 में आईआईटी कानपुर से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार मिला और उन्हें वर्ष 2015 में डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद) से भी सम्मानित किया गया, जो ऑटोमोटिव उद्योग में उनके नेतृत्व और दूरदर्शी योगदान को दर्शाता है।